प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 15 जुलाई 2017 को लगभग सायं 7 बजे केजीएमयू ट्राम सेण्टर-1 के द्वित्तीय तल पर अचानक आग लगने की वजह से अफरा तफरी मच गयी। ट्रामा सेण्टर के केन्द्रीयकृत वातानुकुलित व्यवस्था के कारण ट्रामा सेण्टर के सभी तलों पर गहरा धुँआ फैल गया। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षकों, रेजीडेण्ट डाक्टरों एवं कर्मचारियों द्वारा बहुत ही तत्परता एवं समर्पण के साथ राहत कार्यो में सहयोग प्रदान करते हुए सभी ट्रामा सेण्टर में भर्ती सभी मरीजों को सुरक्षित शताब्दी फेज-1 एवं फेज-2 अस्पताल, गांधी वार्ड, कॉर्डियोलोजी विभाग इत्यादि स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया। जहां उन्हें उपचार सुलभ कराया जा रहा है। केजीएमयू के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से अग्नि शमन विभाग द्वारा शीघ्र ही आग पर काबू पा लिया गया तथा रात्रि 11 बजे तक ट्रामा सेण्टर की अकस्मात सेवाओं को पुनः प्रारम्भ कर दिया गया। जहां मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

ट्रामा सेण्टर में लगी लाग के कारण किसी प्रकार की कैजुअल्टी नहीं हुई है। अपितु चिकित्सकों कर्मचारियों की सूझ-बूझ एवं तत्परता से समय रहते सभी मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर लिया गया था। कुछ चैनलों एवं समाचार पत्रों में प्रसाारित/प्रकाशित आग की वजह से 5-6 लोगों की मृत्यु होने की जो खबरे भ्रामक है। बाल विभाग में जिन दो बच्चों की मृत्यु हुई थी वह आग लगने से पूर्व ही हो चुकी थी, चूँकि मृत्यु प्रमाण पत्र ट्रामा सेण्टर से ही निर्गत किया जाता है तथा ट्रामा सेण्टर में आग लगने की वजह से उन्हें उस समय मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो सका था। उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र आग पर नियंत्रण प्राप्त करने के पश्चात् पुनः अकास्मिक सेवाए बहाल करने के बाद निर्गत किया गया। इसी प्रकार गांधी वार्ड में जिन 03 मौतों का जिक्र किया जा रहा है वे मरीज भी काफी गम्भीर रूप से बीमार थे तथा चिकित्सकों के लाख प्रयासों के बावजूद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका।

हॉलाकि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। अग्नि शमन विभाग के विशेषज्ञों द्वारा प्रकरण की जांच की जा रही है। आग लगने के सही कारणों के विषय में अग्नि शमन विभाग की रिपोर्ट आने के पश्चात् ही स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है।

आज दिनांक 16.07.2016 को मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा भी प्रातः 10:30 बजे केजीएमयू के ट्रामा सेण्टर का भ्रमण किया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा ट्रामा सेण्टर सहित ट्रामा सेण्टर से अन्यत्र स्थानों यथा शताब्दी चिकित्सालय, कॉर्डियोलोजी आदि स्थानों पर व्यक्तिगत रूप से जाकर मरीजों का हाल चाल लिया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने करीब 50 से अधिक मरीजों से बातचित की गयी तथा उन्हें सरकार द्वारा हर तरह की मदद प्रदान किये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी केजीएमयू प्रशासन द्वारा किये गये सभी प्रयासों से संतुष्ट दिखे तथा केजीएमयू प्रशासन द्वारा संकट की इस घड़ी में किये गये प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर उनके साथ मा0 कुलपति जी के साथ ही साथ मा0 चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन जी, डी0जी0 पुलीस श्री सुलखान सिंह, जिलाधिकारी, लखनऊ, एस0एस0पी0 श्री दीपक कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ, एवं केजीएमयू के सभी अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।